भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2447

उत्तर देने की तारीख : 13.12.2021

आकांक्षी जिलों में केन्द्रीय विद्यालय

2447. श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या माननीय संसद सदस्यों के लिए केन्द्रीय विद्यालय में प्रवेश कोटा बढ़ाने का कोई विचार है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या मध्य प्रदेश सहित राज्यों के आकांक्षी जिलों में अलग से केन्द्रीय विद्यालय खोलने पर विचार किया जा रहा है; और
(घ) यदि हां, तो मध्य प्रदेश में उन स्थानों का ब्यौरा क्या है जहां केन्द्रीय विद्यालय स्थापित किए जाने का विचार है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) और (ख): वर्तमान में कोई ऐसा प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन नहीं है।

(ग) और (घ): केन्द्रीय विद्यालय (केवि) को खोलना एक सतत प्रक्रिया है। केंद्रीय विद्यालयों को मुख्य रूप से रक्षा और अर्द्धसैनिक बलों के कार्मिकों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्चतर शिक्षण संस्थानों (आईएचएल) के कर्मचारियों सहित केन्द्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को एक समान शैक्षिक पाठ्यक्रम के माध्यम से पूरा करने के लिए खोला जाता है। नए केंद्रीय विद्यालय खोलने के प्रस्तावों पर तभी विचार किया जाता है यदि ये मंत्रालय अथवा भारत सरकार/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रायोजित हों, और नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए संसाधनों की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई हो। विभिन्न प्रायोजक प्राधिकरणों से प्राप्त प्रस्तावों, जो नए केंद्रीय विद्यालय खोलने संबंधी पूर्व-अपेक्षाओं को पूरा करते हैं, को ऐसे अन्य प्रस्तावों के साथ 'चुनौती पद्धति' के तहत प्रतिस्पर्धा करनी होती है और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अध्यधीन होते हैं। वर्तमान में 115 आकांक्षी जिलों में (मध्य प्रदेश के 13 केन्द्रीय विद्यालयों सहित) 167 केन्द्रीय विद्यालय हैं। यद्यपि, केन्द्रीय विद्यालय जिलावार /राज्यवार आकांक्षितों के मानदंड पर नहीं खोले जाते हैं।

****